वाक्य में पदक्रम

भाषा का पूर्ण अवयव वाक्य माना जाता है। वाक्य रचना में शब्दों का क्रम होता है या क्रम के अनुसार शब्दों का जो निश्चित स्थान होता है उसे ही 'पदक्रम' कहा जाता है अर्थात किसी भाषा में वाक्य में आए शब्दों का क्रम।

पदक्रम की दृष्टि से या वाक्य के अनुसार संसार में दो प्रकार की भाषाएं दिखाई देती है –
एक वह भाषा है जिसमें वाक्य के अंतर्गत शब्दों या पदों का स्थान निश्चित नहीं होता। किसी भी शब्द को उठाकर कहीं भी रख दिया जाए तो अर्थ में परिवर्तन नहीं आता। ग्रीक, लैटिन, अरबी, फारसी, संस्कृत आदि भाषाएं इस कोटि में आती है।

इन भाषाओं में एक ही वाक्य को शब्दों का स्थान बदल कर कई प्रकार से लिखा जा सकता है। और बोला भी जा सकता है। फिर भी अर्थ में किसी प्रकार का परिवर्तन या फर्क नहीं नजर आता।

उदा– अरबी भाषा – जरबअ जैदुन अम्रन
जैद ने अमर को मारा।
जरबअ अम्रन जैदुन
अमर को जैद ने मारा

फारसी भाषा – जैद अमररा जद
जैद ने अमर को मारा।
अमररा जैद जद
अमर को जैद ने मारा।

संस्कृत भाषा – जैद: अमरं अहनत
जैद ने अमर को मारा।
अमरं जैद: अहनत
अमर को जैद ने मारा।

ऊपर के उदाहरणों में हमें यह दृष्टिगोचर होता है कि शब्दों का स्थान बदल भी दिया जाए तो अर्थ में कोई परिवर्तन नहीं आता।

दूसरी भाषाएं वे हैं जिनमें वाक्य में आने वाले शब्द या पद का क्रम निश्चित होता है ऐसी भाषाओं में अगर वाक्य में शब्दों का स्थान बदल दिया जाएगा तो अर्थ भी बदल जाता है।
अंग्रेजी में सामान्यतः कर्ता, क्रिया और कर्म इस क्रम से वाक्य में शब्दों का स्थान रहता है।

अंग्रेजी भाषा – zaid killed Ashok.
जैद ने अशोक को मारा।
Ashok killed zaid.
अशोक ने जैद को मारा।

चीनी में भी अंग्रेजी की भांति कर्ता, क्रिया और कर्म के क्रम से वाक्य बनाया जाता है –

चीनी भाषा – पा तांग शेन — पा शेन को मारता है।
शेन तांग पा --- शेन पा को मारता है।